जलवायु परविर्तन और वैश्वकि स्वास्थ्य

प्रलिमि्स के लयि:

जलवायु परविर्तन, जीवाश्म ईंधन, खाद्य असुरक्षा, हीटवेव, जूनोटकि रोग, संचारी रोग, WHO

मेन्स के लयि:

जलवायु परविर्तन का वैश्वकि स्वास्थ्य पर प्रभाव, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण

चर्चा में क्यों?

स्वास्थ्य और जलवायु परविर्तन पर लांसेट काउंटडाउन रपिोर्ट: हेल्थ एट द मर्सी ऑफ फॉसलि फ्यूल्स के अनुसार जीवाश्म ईंधन **पर नरि्भरता से बीमारी,** खाद्य असुरक्षा **और गर्मी से संबंधति अन्य बीमारियों के जोखमि में वृद्धि हो रही है।**

रपिोर्ट के नषि्कर्ष:

- **स्वास्थ्य पर प्रभाव:**
  - **जलवायु परविर्तन स्वास्थ्य के सामाजकि और पर्यावरणीय नरि्धारकों को प्रभावति करता है-** स्वच्छ हवा, सुरक्षति पेयजल, पर्याप्त भोजन और सुरक्षति आश्रय।
- **हीटवेव से प्रभावति जनसंख्या:**
  - **तेज़ी से बढ़ते तापमान ने लोगों,** वशिष रूप से कमज़ोर वर्ग (65 वर्ष से अधकि उम्र और एक वर्ष से कम उम्र) को अधकि प्रभावति कयिा है जसिसे वर्ष 1986-2005 की तुलना में वर्ष 2021 में 3.7 बलियिन से अधकि लोग **हीटवेव** से प्रभावति हुए हैं।
- **संक्रामक रोग:**
  - **बदलती जलवायु संक्रामक रोग के प्रसार को प्रभावति कर रही है,** जसिसे उभरती बीमारियों और सह-महामारी का खतरा बढ़ रहा है।
  - उदाहरण के लयि **यह रकिॉर्ड करता है कि तटीय जल वब्रियिो रोगजनकों के संचरण के लयि अधकि अनुकूल हो रहा है।**
  - मलेरयिा संचरण के लयि उपयुक्त महीनों की संख्या अमेरकिा और अफ्रीका के हाइलैंड क्षेत्रों में बढ़ी है।
    - **वशि्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)** ने भवषि्यवाणी की है कि 2030 और 2050 के बीच, जलवायु परविर्तन से कुपोषण**,** मलेरयिा**,** दस्त और गर्मी के कारण प्रतविर्ष लगभग **2,50,000 अतरिकि्त मौतें होने की आशंका है।**
- **खाद्य सुरक्षा:**
  - **जलवायु परविर्तन** से **खाद्य सुरक्षा** का **हर आयाम प्रभावति हो रहा है।**
  - उच्च तापमान सीधे फसल की पैदावार को खतरे में डालता है, कई बार फसलों को वकिसति करने के लयि मौसम कम पड़ जाता है।
  - **चरम मौसम की घटनाएँ** आपूर्ति शृंखलाओं को बाधति करती हैं, जसिसे खाद्य की उपलब्धता, पहुँच, स्थरिता और उपयोग में कमी आ जाती है।
  - कोवडि-19 महामारी के दौरान अल्पपोषण की व्यापकता में वृद्धि हुई और **वर्ष 2019 की तुलना वर्षमें 2020 में 161 मलियिन से अधकि लोगों को भूख का सामना करना पड़ा।**
    - यह स्थति अिब **यूक्रेन पर रूस के आक्रमण** के कारण और भी गंभीर हो गई है।
- **जीवाश्म ईंधन:**
  - **रूस-यूक्रेन युद्ध ने कई देशों को रूसी तेल और गैस के वैकल्पकि ईंधन की खोज करने या अपनाने के लयि प्रेरति कयिा है तथा** उनमें से कुछ अभी भी पारंपरकि तापीय ऊर्जा को ही अपना रहे हैं।
  - कोयले का नए सरि से उपयोग वायु की गुणवत्ता में परविर्तन कर सकता है, साथ ही जलवायु परविर्तन को तेज़ कर सकता है जो मानव अस्तत्वि को खतरे में डालता है, भले ही यह एक अस्थायी परविर्तन हो।

सुझाव:

- **स्वास्थ्य केंद्रति प्रतक्रियिा:**

- सह-मौजूदा जलवायु, ऊर्जा के लिये एक स्वास्थ्य केंद्रित प्रतिक्रिया और **स्वस्थ, निम्न कार्बन युक्त भविष्य देने का अवसर प्रदान करता है।**
  - वायु गुणवत्ता में सुधार से जीवाश्म ईंधन से उत्पन्न PM2.5 के संपर्क में आने से होने वाली मौतों को रोकने में मदद मिलेगी और कम कार्बन तनाव तथा शहरी क्षेत्रों में वृद्धि के परिणामस्वरूप शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा मिलेगा जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा।

- **संतुलित और अधिक पादप-आधारित आहारों की ओर संक्रमण:**
  - **संतुलित और अधिक पादप-आधारित आहारों की ओर त्वरित संक्रमण से मांस तथा दूध उत्पादन** को कम करने में मदद करेगा साथ ही आहार से संबंधित मौतों को रोकने के अलावा **जूनोटिक रोगों** के जोखिम को काफी हद तक कम करेगा।
  - इस प्रकार के स्वास्थ्य-केंद्रित बदलाव **संचारी और** गैर-संचारी रोगों के बोझ में कमी लाएंगे, स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के तनाव को कम करेंगे जिससे अधिक मज़बूत स्वास्थ्य प्रणालियों का निर्माण किया जा सकेगा।
- **वैश्विक समन्वय:**
  - सरकारों, समुदायों, नागरिक समाज, व्यवसायों और सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं के बीच **वैश्विक समन्वय, वित्तपोषण, पारदर्शिता तथा सहयोग की आवश्यकता** है ताकि उन कमज़ोरियों को दूर किया जा सके जिनसे विश्व में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न. 'जलवायु परिवर्तन' एक वैश्विक समस्या है। भारत जलवायु परिवर्तन से कैसे प्रभावित होगा? भारत के हिमालयी और तटीय राज्य जलवायु परिवर्तन से कैसे प्रभावित होंगे? **(वर्ष 2017)**

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/climate-change-and-global-health